Fourteenth Loksabha

Session : 8
Date : 03-08-2006

Participants : Rathod Shri Harisingh Nasaru

>

Title : Need for an early decision regarding inclusion of Banjara community in the list of Scheduled Tribes of Uttar Pradesh.

श्री हरिभाऊ राठौड़ (यवतमाल) : सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से उत्तर प्रदेश के बंजारा समाज की अनुसूचित जाति जमाति की लिस्ट में शामिल करने की पचास साल पुरानी मांग की ओर मैं केन्द्र सरकार का ध्यान आकर्ति करना चाहता हूं। आर्टिकल 342 के अंतर्गत अगर किसी जाति को किसी स्टेट की एस.टी. लिस्ट में इनक्लूड करना है तो उसके लिए प्रोसिजर है कि उस स्टेट से रिकमैन्डेशंस आनी चाहिए। उसके बाद आर.जी.आई. और कमीशन की रिकमैन्डेशंस आनी चाहिए, तब भारत सरकार उसे लिस्ट में सम्मिलित करती है। वर्ा 1991 में उत्तर प्रदेश सरकार ने सर्वे के साथ अपनी सारी रिकमैन्डेशंस भारत सरकार के पास भेज दी थी। लेकिन उसके बाद आर.जी.आई. ने उसे 12 साल तक अपने पास पैन्डिंग रखा और 2003 में यह कहकर वापस कर दिया कि आपका सर्वे पूरा नहीं हुआ है, इसलिए आप ठीक से पुनः सर्वे कराकर भेजिये। मैं जानना चाहता हूं कि पचासों सालों से उत्तर प्रदेश का बंजारा समाज झुग्गी-झोंपड़ियों में रह रहा है और दर-दर की ठोकरें खा रहा है। लेकिन उसकी तरफ देखने वाला कोई नहीं है।

सभापति महोदय : आप सरकार से मांग करिये।

श्री हरिभाऊ राठौड़ : मैं जानना चाहता हूं कि पचास साल के बाद क्या अब उसे एस.टी. की लिस्ट में इनक्लूड करने के लिए विचार होगा। मेरी मांग है कि उत्तर प्रदेश सरकार पिछले तीन सालों से इस रिपोर्ट को दबाकर बैठी है और कोई डिसीजन नहीं ले रही है। यदि उन्हें यह नहीं करना है तो न कर दें लेकिन कम से कम रिकमैन्डेशंस भेज दें। मैं समझता हूं कि भारत सरकार को ऐसा प्रोसीजर बनाना चाहिए। ये लोग पिछले पचासों सालों से एस.सी, एस.टी. की लिस्ट में अपने को इनक्लूड करने की मांग कर रहे हैं। लेकिन सरकार उन्हें इनक्लूड नहीं कर रही है। यह उनके साथ बहुत बड़ा अन्याय है।

सभापति महोदय : आप अपनी बात कह चुके हैं, अब आप बैठिये।

श्री हरिभाऊ राठौड़ : मेरी मांग है कि आप सरकार को इस बारे डायरेक्टिव दीजिए कि इसका पीरियड तय किया जाए। कम से कम उन्हें हां या न का निर्णय तो बताया जाए। पचास सालों से ये लोग मांग कर रहे हैं, लेकिन सरकार उस पर कोई ध्यान नहीं दे रही है। उत्तर प्रदेश में बंजारा समाज के अलावा और बहुत सी ऐसी जातियां हैं...(व्यवधान)

सभापति महोदय : आपकी बात रिकार्ड पर आ गई है।

...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN : Nothing is going on record except the speech of Shrimati Karuna Shukla.

(Interruptions) ...*